कार्य का विवरण

भारत रूरल लाईवलीहुड्स फाउण्डेशन (बीआरएलएफ)

1. रिक्त पद: समूह संयोजक (08 पद), भारत रूरल लाईवलीहुड्स फाउण्डेशन, छत्तीसगढ़

2. बीआरएलएफ के विषय में

भारत सरकार द्वारा , सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत, केन्द्र और राज्य सरकारों की भागीदारी में नागरिक सामाजिक कार्यों को गति देने के उद्देश्य से **भारत रूरल लाईवलीहुड्स फाउण्डेशन** की एक स्वतंत्र संस्था के रूप में स्थापना हुई। इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों के जीवन और आजीविका में, खास तौर पर मध्य भारत के जनजातीय क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन और आजीविका में परिवर्तन लाना है।

बीआरएलएफ अपनी तरह की एक अनोखी पहल है और इस संस्था का निर्माण एक भागीदारी संस्था के रूप में हुआ है जिसमें एक तरफ भारत सरकार और दूसरी तरफ निजी क्षेत्र के दाता, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उपक्रम (निगम की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत) हैं। बीआरएलएफ का मुख्य काम नागरिक सामाजिक संगठनों को उनके प्रमाणित हस्तक्षेपों के लिये मानव-संसाधन और संस्थागत खर्चों के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना, छोटे नागरिक सामाजिक संगठनों की क्षमता को बढाने में निवेश करना, और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले व्यावसायिक मानव संसाधनों की क्षमता में वृद्धि करना है। अधिक जानकारी के लिये हमारी वेबसाईट http://www.brlf.in पर जाएँ।

परियोजना के बारे में

उच्च प्रभाववाली मेगा -जलोत्सारण परियोजना, छत्तीसगढ़

यह परियोजना महात्मा गांधी नरेगा ईकाई, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार और भारत रुरल लाईवलीहुड्स फाउण्डेशन और एक्सिस बैंक के बीच 5 अक्तूबर 2018 को आरंभ की गई। ऐसा अनुमान है कि इस परियोजना के, भूमि और जल सरंक्षण के उपायों से, छत्तीसगढ़ राज्य के १३ जिलों के (सरगुजा, सूरजपुर, रायगढ़, कोर्बा, कोरिया, धमतरी, बलरामपुर, कांकेर, नारायनपुर,सुक्मा, बस्तर, दांतेवाडा और कवरधा) के २८ खण्डों के ७.२९ लाख हेक्टेअर जलग्रहण क्षेत्र में रहने वाले लगभग एक लाख परिवार लाभान्वित होंगे। इसके अतिरिक्त इस परियोजना का लक्ष्य अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, पंचायती राज संस्थाओं, समुदाय के सदस्यों और नागरिक सामाजिक संगठनों की, जलोत्सारण योजना के कार्यान्वयन के चोटी से मैदान तक के सिद्धांत के आधार पर क्षमता का निर्माण करना भी है।

3. कार्य का विवरण

मुख्य उत्तरदायित्त्व –

• समूह स्तर पर परियोजना की गतिविधियों के सुचारु कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना

• कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन के कार्य का निरीक्षण करना और ग्राम्य स्तर पर उन्हें सहायता देना

• पंचायती राज संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों के परियोजना के कार्यों में सक्रिय योगदान के लिये उनमें संयोजन सुनिश्चित करना

• डेटा और एमआईएस का प्रबंधन

पात्रता, अनुभव एवं दक्षताएँ

• सामाजिक कार्य के क्षेत्र में 1 -2 वर्ष के अनुभव के साथ, किसी भी प्रवाह में स्नातक अथवा सामाजिक कार्य और प्राकृतिक संपदा प्रबंधन में ग्रामीण समुदाय के साथ मूलभूत स्तर पर कार्य करने के 5 वर्ष के अनुभव के साथ मेट्रिक परीक्षा पास। मेट्रिक परीक्षा पास न किये हुए ऐसे कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन जो किसी प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठन/संस्था द्वारा प्रशिक्षित किये गए हों

और जिनके पास पाँच वर्ष से ज्यादा का स्व-सहायता समूह के साथ काम करने का और प्राकृतिक संपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने का अनुभव हो, वे भी आवेदन कर सकते हैं।

• आवेदक को गांव में और खास तौर पर वंचित लोगों के लिये काम करने के लिये प्रेरित होना चाहिये, साथ ही कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित नई जानकारी प्राप्त करने के लिये, नया सीखने के लिये हमेशा तैयार होना चाहिये।

• स्थानीय भाषा में बातचीत करने की अच्छी क्षमता होनी चाहिये।

• आयु सीमा – 30 वर्ष

वाच्छनीय दक्षताएँ:

क) कंप्युटर ज्ञान के साथ अंग्रेजी और हिंदी में संचार कौशल

ख) बहु-सांस्कृतिक / बहु-विषयक टीम में काम करने की क्षमता

ग) टीम में बहु-कार्य और अच्छी तरह से काम करने की क्षमता

घ) आवश्यकता अनुसार यात्रा करने के लिए तैयार

4. रिपोर्टिंग अधिकारी – टीम लीडर

5. मासिक वेतन - ₹ 12,000/ से ₹ 18,000/ तक

6. अवधि: 6 माह (यह अवधि भविष्य में परियोजना की आवश्यकता अनुसार बढ़ाई जा सकती है)

7. पदों की संख्या: 8

8. नियुक्ति स्थल: छत्तीसगढ़ के गहन खण्ड मुख्यालय, खण्ड नाम – बोदला, बकवण्ड, दांतेवाडा, सुक्मा।

9. संपर्क के लिये पता-

टीम सैम्स
स्ट्रेटेजिक अलाएन्स मेनेजमेन्ट सर्विसेस प्रा. लि.
1/1बी, चौधरी हेतराम हाउस, भारत नगर,
न्यु फ्रेन्ड्स कोलोनी, नई दिल्ली – 110025
फोन. न. 011-26842162; 41653612

आवेदन प्रक्रिया
इस पद पर कार्य करने में रुचि रखने वाले पात्रता प्राप्त आवेदक कृपया https://recruitment.samshrm.com/JOBS/BRLF लिंक के द्वारा दिनाँक 12 मार्च 2021 तक ऑनलाईन आवेदन भेजें।

टिप्पणी - बीआरएलएफ एक समान अवसर देने वाली संस्था है। योग्यता प्राप्त महिलाओं को आवेदन देने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये आवेदक अपनी इच्छा से अपनी भाषा – हिंदी या अंग्रेजी - का चुनाव कर सकते हैं।